प्राथमिक क्रियाएँ

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» आर्थिक क्रियाएं और प्राथमिक क्रियाओं का परिचय

प्रश्न 1 (आसान). खेती करना किस प्रकार की आर्थिक क्रिया है?
उत्तर – प्राथमिक क्रिया

प्रश्न 2 (आसान). खनन (ज़मीन से खनिज निकालना) प्राथमिक क्रिया है या नहीं?
उत्तर – हाँ, है।

प्रश्न 3 (मध्यम). एक व्यक्ति जो जंगल से शहद इकट्ठा करके बेचता है, वह कौन सी आर्थिक क्रिया कर रहा है?
उत्तर – प्राथमिक क्रिया

प्रश्न 4 (कठिन). अगर एक व्यक्ति अपनी गायों से दूध निकालकर डेयरी में बेचता है, तो दूध उत्पादन की यह क्रिया किस वर्ग में आएगी?
उत्तर – प्राथमिक क्रिया (क्योंकि पशुपालन सीधे प्रकृति से जुड़ा है और उससे उत्पाद प्राप्त किए जा रहे हैं)

» आखेट (शिकार) और भोजन संग्रह

प्रश्न 5 (आसान). आखेट का अर्थ क्या है?
उत्तर – पशुओं का शिकार करना।

प्रश्न 6 (आसान). भोजन संग्रह में क्या इकट्ठा किया जाता है?
उत्तर – जंगलों से फल, फूल, कंद-मूल आदि।

प्रश्न 7 (मध्यम). आखेट और भोजन संग्रह को प्राथमिक क्रिया क्यों कहते हैं?
उत्तर – क्योंकि ये सीधे प्रकृति (जंगल और जानवर) से जुड़ी हुई हैं और आदिमकाल में मानव का सीधा प्रकृति पर निर्भर रहना था।

प्रश्न 8 (कठिन). आधुनिक समय में आखेट पर प्रतिबंध क्यों लगाए गए हैं और इसके क्या दुष्परिणाम हो सकते हैं?
उत्तर – अवैध शिकार (poaching) और प्रजातियों के विलुप्त होने के खतरे के कारण प्रतिबंध लगाए गए हैं। दुष्परिणामों में जैव विविधता का नुकसान और पारिस्थितिक असंतुलन शामिल है।

» आखेट और भोजन संग्रह के क्षेत्र तथा व्यापारीकरण

प्रश्न 9 (आसान). भोजन संग्रह के दो मुख्य भौगोलिक क्षेत्रों के नाम बताओ।
उत्तर – उच्च अक्षांश और निम्न अक्षांश।

प्रश्न 10 (आसान). उच्च अक्षांश वाले क्षेत्र कौन से हैं जहाँ भोजन संग्रह होता है?
उत्तर – उत्तरी कनाडा, उत्तरी यूरेशिया और दक्षिणी चिली।

प्रश्न 11 (मध्यम). आज के समय में भोजन संग्रह का व्यापारीकरण किन चीज़ों को बेचकर किया जाता है?
उत्तर – कीमती पौधों की पत्तियां, छाल, औषधीय पौधे, और अन्य वन उत्पाद जैसे कुनैन, चमड़ा, चिकल।

प्रश्न 12 (कठिन). चिकल किस पेड़ के दूध से बनता है और इसका क्या उपयोग है?
उत्तर – चिकल ज़ेपोटा वृक्ष के दूध से बनता है और इसे च्युइंग गम के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

» पशुचारण का विकास और प्रकार

प्रश्न 13 (आसान). मानव ने आखेट से पशुचारण की ओर क्यों कदम बढ़ाया?
उत्तर – क्योंकि केवल आखेट से जीवन का भरण-पोषण मुश्किल हो गया था।

प्रश्न 14 (आसान). पशुचारण में किस चीज़ को पाला जाता है?
उत्तर – जानवरों को पाला जाता है।

प्रश्न 15 (मध्यम). आजकल पशुचारण कितने मुख्य स्तरों पर किया जाता है? नाम बताओ।
उत्तर – आजकल पशुचारण दो मुख्य स्तरों पर किया जाता है: निर्वहन पशुचारण और व्यापारिक पशुचारण।

प्रश्न 16 (कठिन). अगर कोई परिवार सिर्फ़ अपने खाने-पीने के लिए दो गाय पालता है, तो यह किस प्रकार का पशुचारण कहलाएगा? कारण भी बताओ।
उत्तर – यह निर्वहन पशुचारण कहलाएगा, क्योंकि इसका मुख्य उद्देश्य परिवार का भरण-पोषण है, न कि बाज़ार में बेचकर पैसा कमाना।

» चलवासी पशुचारण: विशेषताएँ और क्षेत्र

प्रश्न 17 (आसान). चलवासी पशुचारण में पशुचारक किस पर निर्भर रहते हैं?
उत्तर – अपने भोजन, वस्त्र, शरण, औजार और यातायात के लिए पशुओं पर निर्भर रहते हैं।

प्रश्न 18 (आसान). ऋतुप्रवास किसे कहते हैं?
उत्तर – मौसम के अनुसार पशुचारकों का अपने पशुओं के साथ एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना ऋतुप्रवास कहलाता है।

प्रश्न 19 (मध्यम). सहारा और एशिया के मरुस्थलों में मुख्य रूप से कौन से पशु पाले जाते हैं?
उत्तर – भेड़, बकरी और ऊँट।

प्रश्न 20 (कठिन). भारत में हिमालय के पर्वतीय क्षेत्रों में कौन से समुदायों द्वारा ऋतुप्रवास किया जाता है?
उत्तर – गुज्जर, बकरवाल, गद्दी और भूटिया लोगों के समूह।

» वाणिज्य पशुधन पालन

प्रश्न 21 (आसान). वाणिज्य पशुधन पालन का मुख्य उद्देश्य क्या है?
उत्तर – पैसा कमाना या लाभ कमाना।

प्रश्न 22 (आसान). क्या वाणिज्य पशुधन पालन में पशुओं के साथ एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना पड़ता है?
उत्तर – नहीं, इसमें फार्म स्थायी होते हैं।

प्रश्न 23 (मध्यम). चलवासी पशुचारण और वाणिज्य पशुधन पालन में दो मुख्य अंतर बताइए।
उत्तर – चलवासी पशुचारण में पशुपालक चारा-पानी की तलाश में घूमते हैं, जबकि वाणिज्य पशुधन पालन में स्थायी फार्म होते हैं। चलवासी पशुचारण का उद्देश्य जीवनयापन होता है, जबकि वाणिज्य पशुधन पालन का उद्देश्य व्यापार और लाभ कमाना होता है।

प्रश्न 24 (कठिन). वाणिज्य पशुधन पालन में पशुओं के प्रजनन और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान क्यों दिया जाता है?
उत्तर – क्योंकि यह एक व्यापारिक गतिविधि है। अच्छी गुणवत्ता के पशु ही अधिक और बेहतर उत्पाद (मांस, ऊन, खाल) दे सकते हैं, जिससे ज्यादा मुनाफा होता है। बीमारियों से बचाव से पशुओं की मृत्यु दर कम होती है और उत्पादन प्रभावित नहीं होता।

» कृषि प्रणालियों का परिचय और निर्वाह कृषि

प्रश्न 25 (आसान). निर्वाह कृषि का मुख्य उद्देश्य क्या होता है?
उत्तर – अपनी और अपने परिवार की ज़रूरतों को पूरा करना।

प्रश्न 26 (आसान). आदिकालीन निर्वाह कृषि को और किस नाम से जानते हैं?
उत्तर – स्थानांतरणशील कृषि या कर्तन एवं दहन कृषि।

प्रश्न 27 (मध्यम). कृषि प्रणालियों को कौन-कौन से कारक प्रभावित करते हैं?
उत्तर – भौतिक, सामाजिक और आर्थिक कारक।

प्रश्न 28 (कठिन). अगर एक किसान सिर्फ अपने परिवार के लिए चावल उगा रहा है, लेकिन उसने अपने छोटे खेत में ज़्यादा से ज़्यादा उत्पादन के लिए बहुत मेहनत की है और खाद का भी इस्तेमाल किया है, तो यह निर्वाह कृषि के किस प्रकार में आएगा? क्यों?
उत्तर – यह 'गहन निर्वाह कृषि' में आएगा। क्योंकि किसान अपनी ज़रूरतों के लिए उगा रहा है (निर्वाह कृषि), लेकिन उसने सीमित भूमि पर ज़्यादा श्रम और खाद का उपयोग करके ज़्यादा उत्पादन की कोशिश की है, जो गहन कृषि की पहचान है।

» आदिकालीन निर्वाह कृषि (स्थानांतरणशील कृषि)

प्रश्न 29 (आसान). स्थानांतरणशील कृषि को 'झूम कृषि' किस भारतीय राज्य में कहते हैं?
उत्तर – पूर्वोत्तर राज्यों में।

प्रश्न 30 (आसान). इस कृषि में किसान कौन से औज़ार उपयोग करते हैं?
उत्तर – लकड़ी, कुदाली और फावड़े।

प्रश्न 31 (मध्यम). आदिकालीन निर्वाह कृषि किन भौगोलिक क्षेत्रों में की जाती है?
उत्तर – अफ्रीका, दक्षिणी व मध्य अमेरिका के उष्णकटिबंधीय भागों और दक्षिणी पूर्वी एशिया में।

प्रश्न 32 (कठिन). स्थानांतरणशील कृषि की सबसे बड़ी समस्या क्या है, और यह झूम चक्र को कैसे प्रभावित करती है?
उत्तर – इस कृषि की सबसे बड़ी समस्या भूमि की उर्वरता का तेजी से कम होना है। इससे झूम का चक्र (यानी जिस गति से किसान नई जगह पर जाते हैं) छोटा होता जाता है, जिससे उन्हें बार-बार जगह बदलनी पड़ती है और वनस्पति के वापस उगने का समय कम हो जाता है।

» गहन निर्वाह कृषि: चावल प्रधान और चावल रहित

प्रश्न 33 (आसान). गहन निर्वाह कृषि कहाँ की जाती है - कम आबादी वाले क्षेत्रों में या घनी आबादी वाले क्षेत्रों में?
उत्तर – घनी आबादी वाले क्षेत्रों में

प्रश्न 34 (आसान). चावल प्रधान गहन निर्वाह कृषि में कौन सी फसल मुख्य होती है?
उत्तर – चावल

प्रश्न 35 (मध्यम). चावल रहित गहन निर्वाह कृषि में किन भौगोलिक कारणों से चावल नहीं उगाया जाता?
उत्तर – उच्चावच (ज़मीन की बनावट), जलवायु, मृदा (मिट्टी) और पानी की कमी।

प्रश्न 36 (कठिन). चावल प्रधान और चावल रहित गहन निर्वाह कृषि में मुख्य अंतर क्या है और एक समानता क्या है?
उत्तर – मुख्य अंतर फसल का है (चावल बनाम गेहूँ/ज्वार)। एक समानता यह है कि दोनों में ही मानव श्रम ज़्यादा होता है और ज़मीन का गहन उपयोग होता है।

» रोपण कृषि

प्रश्न 37 (आसान). रोपण कृषि किनके द्वारा शुरू की गई थी?
उत्तर – यूरोपीय उपनिवेशों द्वारा।

प्रश्न 38 (आसान). रोपण कृषि में कितनी फसलें उगाई जाती हैं?
उत्तर – मुख्यतः एक ही फसल।

प्रश्न 39 (मध्यम). भारत और श्रीलंका में अंग्रेजों ने किस रोपण फसल के बागान लगाए थे?
उत्तर – चाय।

प्रश्न 40 (कठिन). रोपण कृषि के लिए अधिक पूंजी निवेश की आवश्यकता क्यों होती है?
उत्तर – क्योंकि इसमें बड़े पैमाने पर खेती होती है, अच्छी गुणवत्ता वाले बीज/पौधे, मशीनरी, उर्वरक और मजदूरों पर बड़ा खर्च आता है।

» विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि

प्रश्न 41 (आसान). विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि किन अक्षांशों में की जाती है?
उत्तर – मध्य अक्षांशों के आंतरिक अर्द्ध शुष्क प्रदेशों में।

प्रश्न 42 (आसान). इस कृषि में खेतों का आकार कैसा होता है?
उत्तर – खेतों का आकार बहुत बड़ा होता है।

प्रश्न 43 (मध्यम). विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि की कोई दो मुख्य विशेषताएँ बताइए।
उत्तर – बड़े खेत, मशीनों का उपयोग, मुख्य फसल गेहूँ, प्रति व्यक्ति उत्पादन अधिक।

प्रश्न 44 (कठिन). विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि में प्रति एकड़ उत्पादन कम होते हुए भी, प्रति व्यक्ति उत्पादन अधिक क्यों होता है?
उत्तर – क्योंकि खेत बहुत बड़े होते हैं और ज़्यादातर काम मशीनें करती हैं, जिससे कम लोग बहुत ज़्यादा ज़मीन पर काम कर पाते हैं और बहुत ज़्यादा अनाज उगाते हैं। इसलिए प्रति व्यक्ति उत्पादन अधिक होता है।

» मिश्रित कृषि

प्रश्न 45 (आसान). मिश्रित कृषि में किस-किस चीज़ को समान महत्व दिया जाता है?
उत्तर – फसल उत्पादन और पशुपालन को।

प्रश्न 46 (आसान). मिश्रित कृषि कहाँ प्रचलित है?
उत्तर – विश्व के अत्यधिक विकसित भागों में, जैसे उत्तरी-पश्चिमी यूरोप।

प्रश्न 47 (मध्यम). मिश्रित कृषि के लिए तीन मुख्य फसलें और दो मुख्य पशुधन के नाम बताओ।
उत्तर – मुख्य फसलें: गेहूँ, जौ, मक्का। मुख्य पशुधन: मवेशी (गाय), भेड़।

प्रश्न 48 (कठिन). मिश्रित कृषि में मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने के लिए किन दो तरीकों का उपयोग किया जाता है?
उत्तर – शस्यावर्तन (फसल चक्र) और अंतः फसली कृषि (एक साथ कई फसलें बोना)।

» डेरी कृषि

प्रश्न 49 (आसान). डेरी कृषि का मुख्य उत्पाद क्या है?
उत्तर – दूध और उससे बने उत्पाद।

प्रश्न 50 (आसान). डेरी कृषि में सबसे ज़्यादा किसकी ज़रूरत होती है, पैसे की या ज़मीन की?
उत्तर – पैसे (पूंजी) की।

प्रश्न 51 (मध्यम). डेरी कृषि को नगरीय और औद्योगिक केंद्रों के पास क्यों स्थापित किया जाता है?
उत्तर – क्योंकि ये क्षेत्र ताजे दूध और डेरी उत्पादों के बड़े बाज़ार होते हैं, और परिवहन आसान होता है।

प्रश्न 52 (कठिन). आधुनिक डेरी कृषि में कौन-कौन सी तकनीकें इस्तेमाल होती हैं जिनसे दूध को ज़्यादा समय तक सुरक्षित रखा जा सकता है?
उत्तर – प्रशीतक (रेफ्रिजरेटर) का उपयोग, पास्तेरीकरण की सुविधा और विकसित यातायात के साधन।

» भूमध्यसागरीय कृषि

प्रश्न 53 (आसान). भूमध्यसागरीय कृषि किन दो मुख्य फलों के लिए प्रसिद्ध है?
उत्तर – खट्टे फल और अंगूर।

प्रश्न 54 (आसान). यह कृषि मुख्य रूप से किन क्षेत्रों में पाई जाती है?
उत्तर – भूमध्यसागर के आसपास के देश जैसे दक्षिणी यूरोप और उत्तरी अफ्रीका।

प्रश्न 55 (मध्यम). भूमध्यसागरीय क्षेत्र में अंगूर से कौन से दो मुख्य उत्पाद बनाए जाते हैं?
उत्तर – उच्च गुणवत्ता वाली मदिरा (शराब) और निम्न श्रेणी के अंगूरों से मुनक्का व किशमिश।

प्रश्न 56 (कठिन). यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका में शीत ऋतु में फलों और सब्जियों की मांग पूरी करने में भूमध्यसागरीय कृषि क्यों महत्वपूर्ण है?
उत्तर – क्योंकि भूमध्यसागरीय क्षेत्र की विशेष जलवायु खट्टे फलों और अंगूर जैसी फसलों के लिए उपयुक्त है, और यह तब उत्पादन करता है जब यूरोप व अमेरिका के ठंडे क्षेत्रों में फसलों का उगना संभव नहीं होता, जिससे सर्दियों की मांग पूरी होती है।

» बाजार के लिए सब्जी खेती, उद्यान कृषि और कारखाना कृषि

प्रश्न 57 (आसान). ट्रक कृषि मुख्य रूप से किन उत्पादों से संबंधित है?
उत्तर – सब्जियों से।

प्रश्न 58 (आसान). बाजार के लिए सब्जी खेती में किन बातों की अधिक आवश्यकता होती है?
उत्तर – गहन श्रम और अधिक पूंजी।

प्रश्न 59 (मध्यम). ट्रक कृषि को 'ट्रक कृषि' क्यों कहा जाता है?
उत्तर – क्योंकि खेत और बाजार के बीच की दूरी इतनी होती है कि एक ट्रक रात भर में यह दूरी तय कर सके और सुबह तक ताज़ी सब्जियां बाजार पहुंचा दे।

प्रश्न 60 (कठिन). कारखाना कृषि, सामान्य पशुधन पालन से किस प्रकार भिन्न है?
उत्तर – कारखाना कृषि में पशुधन (जैसे गाय-बैल, कुक्कुट) को वैज्ञानिक तरीके से, बाड़ों में, कारखानों में बने विशेष भोजन पर पाला जाता है, उनकी बीमारियों का ध्यान रखा जाता है। इसमें भवन निर्माण, मशीनों, प्रकाश, ताप और पशु चिकित्सा पर भारी निवेश होता है, जबकि सामान्य पशुधन पालन में जानवर खुले में चरते हैं और प्राकृतिक संसाधनों पर अधिक निर्भर करते हैं।

» कृषि के संगठन के आधार पर प्रकार: सहकारी और सामूहिक कृषि

प्रश्न 61 (आसान). सहकारी कृषि में किसान अपनी ज़मीन का मालिक होता है या नहीं?
उत्तर – हाँ, सहकारी कृषि में किसान अपनी ज़मीन का मालिक होता है।

प्रश्न 62 (आसान). सामूहिक कृषि में उत्पादन के साधनों (ज़मीन, मशीन) का मालिक कौन होता है?
उत्तर – सामूहिक कृषि में उत्पादन के साधनों का स्वामित्व पूरे समाज या सरकार के पास होता है।

प्रश्न 63 (मध्यम). सहकारी कृषि और सामूहिक कृषि में मुख्य अंतर क्या है?
उत्तर – सहकारी कृषि में किसान स्वेच्छा से एक साथ आते हैं और अपने व्यक्तिगत खेतों को रखते हुए मिलकर काम करते हैं। सामूहिक कृषि में, उत्पादन के साधनों पर समाज या सरकार का स्वामित्व होता है और सभी किसान मिलकर काम करते हैं जैसे एक बड़े खेत पर।

प्रश्न 64 (कठिन). पूर्व सोवियत संघ में 'कोलखोज़' किस प्रकार की कृषि का उदाहरण था और उसे क्यों शुरू किया गया था?
उत्तर – पूर्व सोवियत संघ में 'कोलखोज़' सामूहिक कृषि का उदाहरण था। इसे कृषि की दशा सुधारने, उत्पादन बढ़ाने और आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए शुरू किया गया था। इसमें सभी किसान अपने संसाधनों जैसे भूमि, पशुधन और श्रम को मिलाकर कृषि कार्य करते थे।

» खनन: इतिहास, प्रभावित करने वाले कारक और विधियां

प्रश्न 65 (आसान). खनन का मतलब क्या है?
उत्तर – ज़मीन के नीचे से खनिजों को निकालना।

प्रश्न 66 (आसान). खनन की दो मुख्य विधियां कौन सी हैं?
उत्तर – धरातलीय (विवृत) और भूमिगत (कूपकी) खनन।

प्रश्न 67 (मध्यम). औद्योगिक क्रांति के बाद खनन का महत्व क्यों बढ़ा?
उत्तर – क्योंकि उद्योगों में मशीनें और उत्पादन बढ़ गया, जिसके लिए खनिजों की ज़रूरत बहुत ज़्यादा बढ़ गई।

प्रश्न 68 (कठिन). भूमिगत खनन धरातलीय खनन से ज़्यादा जोखिम भरा क्यों होता है?
उत्तर – क्योंकि इसमें जहरीली गैसें, आग, बाढ़ और चट्टान गिरने जैसी दुर्घटनाओं का खतरा होता है।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. रमेश एक लकड़ी काटने वाला है जो जंगल से पेड़ काटकर लकड़ियाँ बेचता है। बताओ, रमेश कौन सी आर्थिक क्रिया कर रहा है?

› पहला कदम: हमें यह देखना होगा कि रमेश का काम सीधे प्रकृति से जुड़ा है या नहीं।
› दूसरा कदम: रमेश पेड़ों को सीधे जंगल (पर्यावरण) से ले रहा है।
› तीसरा कदम: यह क्रिया किसी चीज़ को प्रकृति से सीधे निकालने का काम है।
› चौथा कदम: क्योंकि यह काम सीधे पर्यावरण के संसाधनों का उपयोग कर रहा है, यह एक प्राथमिक क्रिया है।

उत्तर – रमेश प्राथमिक क्रिया कर रहा है।

उदाहरण 2. मान लीजिए एक आदिम समुदाय ठंडे रेगिस्तानी इलाके में रहता है। वे अपने भोजन और कपड़ों के लिए किन चीज़ों का आखेट या संग्रह करेंगे?

› पहला कदम, ऐसे इलाकों में मिलने वाले जानवरों को पहचानना। जैसे, आर्कटिक क्षेत्रों में रेनडियर, सील, या छोटे पक्षी मिल सकते हैं।
› दूसरा कदम, इन जानवरों का आखेट करना। पुराने औजारों, जैसे भाले या तीर-कमान का इस्तेमाल करके।
› तीसरा कदम, आस-पास के कठोर वातावरण में उगने वाली खाने लायक वनस्पति ढूंढना। हालांकि, ठंडे रेगिस्तान में ये बहुत कम होती हैं।
› चौथा कदम, जानवरों की खाल का इस्तेमाल कपड़ों और आश्रय के लिए करना।

उत्तर – वे रेनडियर, सील जैसे जानवरों का आखेट करेंगे और उनकी खाल का इस्तेमाल करेंगे। वनस्पति का संग्रह बहुत सीमित होगा।

उदाहरण 3. आखेट और भोजन संग्रह आज भी किन दो मुख्य भौगोलिक क्षेत्रों में प्रचलित है, और इसका व्यापारीकरण कैसे हो रहा है?

› सबसे पहले हम उन क्षेत्रों को पहचानते हैं जहाँ भोजन संग्रह आज भी होता है। ये मुख्य रूप से दो तरह के क्षेत्र हैं।
› पहला है 'उच्च अक्षांश' वाले क्षेत्र। ये वो जगहें हैं जो धरती के उत्तरी ध्रुव के ज़्यादा करीब हैं, जैसे उत्तरी कनाडा, उत्तरी यूरेशिया और दक्षिणी चिली।
› दूसरा है 'निम्न अक्षांश' वाले क्षेत्र। ये भूमध्य रेखा के पास के गर्म इलाके हैं, जैसे अमेज़न बेसिन, अफ्रीका के उष्णकटिबंधीय जंगल, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण पूर्वी एशिया के अंदरूनी हिस्से।
› अब देखते हैं व्यापारीकरण कैसे होता है। इन क्षेत्रों में लोग सिर्फ खाने के लिए ही नहीं, बल्कि कुछ चीज़ें बेचने के लिए भी इकट्ठा करते हैं।
› वे कीमती पौधों की पत्तियां, पेड़ों की छाल, और जड़ी-बूटियां इकट्ठा करके उन्हें बाज़ार में बेचते हैं।
› उदाहरण के लिए, पेड़ की छाल से कुनैन या चमड़ा बनाने का सामान मिलता है, पत्तियों से पेय पदार्थ और दवाएं बनती हैं, रेशों से कपड़े, और पेड़ के तने से रबड़ या गोंद जैसी चीजें मिलती हैं। आपने च्युइंग गम तो खाई होगी? वो चिकल, जो ज़ेपोटा पेड़ के दूध से बनता है, वो भी इसी तरह इकट्ठा करके बेचा जाता है।

› तो, इन प्राकृतिक उत्पादों को बेचकर लोग पैसा कमाते हैं, यही इसका व्यापारीकरण है।

उत्तर – आखेट और भोजन संग्रह आज भी उच्च अक्षांश (उत्तरी कनाडा, उत्तरी यूरेशिया) और निम्न अक्षांश (अमेज़न बेसिन, उष्णकटिबंधीय अफ्रीका) में प्रचलित है। इसका व्यापारीकरण कीमती पौधों की पत्तियों, छालों, औषधीय पौधों और अन्य वन उत्पादों को इकट्ठा करके बाज़ार में बेचने से होता है।

उदाहरण 4. मान लो, एक आदिवासी समुदाय है जो पहले सिर्फ़ शिकार और फल इकट्ठा करके जीता था। एक साल जंगल में जानवर कम हो गए और फल भी ठीक से नहीं मिले। अब उन्हें अपने भोजन के लिए क्या नया तरीका अपनाना चाहिए?

› सबसे पहले, समुदाय को यह समझना होगा कि सिर्फ़ शिकार पर निर्भर रहना ख़तरनाक हो सकता है।

› वे अपने आसपास पाए जाने वाले जंगली जानवरों को पालतू बनाने के बारे में सोच सकते हैं।

› जैसे अगर भेड़-बकरियाँ मिलती हैं, तो उन्हें पालना शुरू कर सकते हैं ताकि दूध, माँस और ऊन मिल सके।

› यह जानवरों को पालतू बनाने का काम धीरे-धीरे 'पशुचारण' में बदल जाएगा, जिससे उनकी भोजन की ज़रूरतें पूरी होंगी और उन्हें बार-बार शिकार के लिए भटकना नहीं पड़ेगा।

उत्तर – समुदाय को पशुचारण अपनाना चाहिए, यानी अपने आसपास के जानवरों को पालतू बनाकर दूध, माँस, ऊन आदि प्राप्त करना चाहिए।

उदाहरण 5. चलवासी पशुचारण के प्रमुख क्षेत्र कौन-कौन से हैं और इन क्षेत्रों में कौन से पशु पाले जाते हैं?

› पहला मुख्य क्षेत्र उत्तरी अफ्रीका के अटलांटिक तट से अरब प्रायद्वीप होता हुआ मंगोलिया और मध्य चीन तक फैला है। यहाँ मुख्य रूप से भेड़, बकरी और ऊँट पाले जाते हैं। अफ्रीका के उष्णकटिबंधीय इलाकों में गाय-बैल प्रमुख हैं।

› दूसरा क्षेत्र यूरोप तथा एशिया के टुंड्रा प्रदेश में है। इन ठंडे इलाकों में रेंडियर पाले जाते हैं।

› तीसरा क्षेत्र दक्षिणी गोलार्ध में दक्षिणी-पश्चिमी अफ्रीका और मेडागास्कर द्वीप पर है।

› तिब्बत और एंडीज के पर्वतीय भागों में याक और लामा जैसे पशु पाले जाते हैं।

उत्तर – चलवासी पशुचारण के तीन मुख्य क्षेत्र हैं: उत्तरी अफ्रीका से मध्य चीन तक, यूरोप व एशिया के टुंड्रा प्रदेश, और दक्षिणी-पश्चिमी अफ्रीका व मेडागास्कर। इन क्षेत्रों में जलवायु के अनुसार गाय-बैल, भेड़, बकरी, ऊँट, याक, लामा और रेंडियर जैसे पशु पाले जाते हैं।

उदाहरण 6. वाणिज्य पशुधन पालन में पशुओं का चयन और देखभाल कैसे की जाती है?

› सबसे पहले, यह तय किया जाता है कि कौन से पशु पाले जाएंगे (जैसे भेड़, गाय, बकरी), और यह उस क्षेत्र की जलवायु और बाज़ार की मांग पर निर्भर करता है।

› फिर, उन्नत नस्ल के पशु चुने जाते हैं ताकि उनसे अच्छी गुणवत्ता का मांस, ऊन या खाल मिल सके। इस पर बहुत ध्यान दिया जाता है, इसे 'प्रजनन' कहते हैं।

› पशुओं के स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखा जाता है, उन्हें सही खुराक दी जाती है, और बीमारियों से बचाने के लिए टीके लगाए जाते हैं।

› बड़े-बड़े फार्म होते हैं जिन्हें छोटी-छोटी बाड़ों में बांटा जाता है ताकि चराई को नियंत्रित किया जा सके। जब एक हिस्से की घास खत्म हो जाती है, तो पशुओं को दूसरे हिस्से में ले जाया जाता है।

› अंत में, उत्पादों (जैसे मांस, ऊन) को वैज्ञानिक तरीके से प्रोसेस करके डिब्बों में पैक किया जाता है और दुनिया भर के बाजारों में निर्यात किया जाता है।

उत्तर – वाणिज्य पशुधन पालन में पशुओं का चयन और देखभाल वैज्ञानिक और व्यावसायिक तरीके से की जाती है, जिसमें प्रजनन सुधार, स्वास्थ्य नियंत्रण और बाजार की मांग का विशेष ध्यान रखा जाता है।

उदाहरण 7. एक किसान जंगल के एक छोटे हिस्से को साफ करता है, कुछ साल खेती करता है, फिर मिट्टी की उर्वरता घटने पर दूसरे हिस्से में चला जाता है। यह किस प्रकार की कृषि है और इसे और किस नाम से जानते हैं?

› पहचानो कि किसान का मुख्य उद्देश्य अपनी ज़रूरतों को पूरा करना है, न कि बेचना।

› देखो कि खेती की जगह बदली जा रही है, जो कि आदिकालीन तरीका है।

› इससे पता चलता है कि यह आदिकालीन निर्वाह कृषि है।

› भारत में इसे 'झूमिंग' या 'झूम खेती' कहते हैं।

› इसे 'कर्तन एवं दहन' कृषि भी कहते हैं क्योंकि इसमें पेड़ काटकर जलाए जाते हैं।

उत्तर – यह आदिकालीन निर्वाह कृषि (या स्थानांतरणशील कृषि) है। भारत में इसे 'झूमिंग' या 'झूम खेती' कहते हैं, और इसका एक और नाम 'कर्तन एवं दहन कृषि' है।

उदाहरण 8. आदिकालीन निर्वाह कृषि को 'कर्तन एवं दहन कृषि' क्यों कहते हैं? इस प्रक्रिया को विस्तार से समझाइए।

› पहला कदम: किसान जंगल के एक छोटे से हिस्से को चुनते हैं और पेड़ों को काटते हैं (कर्तन)।

› दूसरा कदम: कटे हुए पेड़-पौधों को सूखने दिया जाता है और फिर उन्हें जला दिया जाता है (दहन)।

› तीसरा कदम: जलने के बाद जो राख बचती है, वह मिट्टी में मिल जाती है और उर्वरक (खाद) का काम करती है, जिससे मिट्टी उपजाऊ हो जाती है।

› चौथा कदम: इस उपजाऊ ज़मीन पर पुराने औज़ारों जैसे कुदाली या फावड़े से कुछ सालों तक खेती की जाती है।

› पांचवां कदम: 3 से 5 साल बाद जब मिट्टी की उर्वरता कम हो जाती है, तो किसान उस जगह को छोड़कर जंगल में एक नई जगह पर यही प्रक्रिया दोहराते हैं।

› छठा कदम: कुछ समय बाद (कई सालों बाद) जब पहली वाली जगह पर जंगल दोबारा उग आता है और मिट्टी की उर्वरता वापस आ जाती है, तो वे वापस उसी जगह पर आकर खेती कर सकते हैं।

उत्तर – इस प्रक्रिया में पेड़ों को काटा जाता है और जलाया जाता है, इसीलिए इसे 'कर्तन एवं दहन कृषि' कहते हैं। यह किसानों को उपजाऊ भूमि प्रदान करने का एक तरीका है, खासकर जब उनके पास आधुनिक उपकरण और खाद न हों।

उदाहरण 9. एक किसान के पास 1 एकड़ ज़मीन है और उसे अपने 6 लोगों के परिवार का भरण-पोषण करना है। वह चावल प्रधान गहन निर्वाह कृषि कैसे करेगा?

› किसान अपनी 1 एकड़ ज़मीन पर चावल की सबसे अच्छी किस्म चुनेगा जो कम जगह में ज़्यादा पैदावार दे सके।

› वह और उसका परिवार मिलकर खेत की तैयारी करेंगे, बुवाई से लेकर कटाई तक सारा काम खुद ही करेंगे, क्योंकि उनके पास मशीन खरीदने के लिए पैसे कम होंगे।

› मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने के लिए वे रासायनिक खाद की बजाय गोबर की खाद या हरी खाद का ज़्यादा इस्तेमाल करेंगे।

› पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे, क्योंकि चावल को ज़्यादा पानी चाहिए होता है।

› लगातार मेहनत करके प्रति एकड़ अधिक उत्पादन प्राप्त करने की कोशिश करेंगे, जिससे उनके परिवार की ज़रूरतें पूरी हो सकें।

› अगर खेती के बाद थोड़ा-बहुत चावल बचता है, तो उसे बाज़ार में बेचकर दूसरी ज़रूरतें पूरी करेंगे।

उत्तर – किसान 1 एकड़ ज़मीन पर चावल की उन्नत किस्मों, जैविक खाद, और सघन मानव श्रम का उपयोग करके अपने 6 लोगों के परिवार के लिए पर्याप्त भोजन उगाएगा।

उदाहरण 10. प्रश्न: रोपण कृषि की किन्हीं तीन मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

› पहला, इसका आकार बहुत बड़ा होता है। छोटे-मोटे खेत नहीं, बल्कि कई एकड़ के बागान होते हैं।

› दूसरा, इसमें बहुत ज़्यादा पैसा (पूंजी) लगता है। नए-नए पौधे खरीदने में, मशीनों में, और मजदूरों को मजदूरी देने में।

› तीसरा, यह एक एकल-फसली कृषि है, मतलब पूरे खेत में सिर्फ एक ही फसल उगाई जाती है, जैसे चाय या कॉफी या रबड़।

› चौथा, इसमें वैज्ञानिक तरीके और अच्छी तकनीक का इस्तेमाल होता है ताकि ज़्यादा से ज़्यादा उत्पादन मिल सके।

› और हाँ, इसमें सस्ते मजदूर मिल जाते हैं और यातायात भी अच्छा होना चाहिए ताकि फसल बाजार तक आसानी से पहुंच सके।

उत्तर – रोपण कृषि की तीन मुख्य विशेषताएं हैं: (1) विशाल कृषि क्षेत्र, (2) अधिक पूंजी निवेश, और (3) एकल-फसली उत्पादन।

उदाहरण 11. एक किसान के पास 500 एकड़ ज़मीन है और वो विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि करता है। उसकी मुख्य फसल क्या होगी और वह खेती कैसे करेगा?

› स्टेप 1: चूंकि यह विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि है, तो किसान की मुख्य फसल गेहूँ होगी, क्योंकि यह इन क्षेत्रों की मुख्य फसल है।

› स्टेप 2: 500 एकड़ का खेत बहुत बड़ा होता है। किसान खेत जोतने से लेकर फसल काटने तक, सारे काम मशीनों जैसे बड़े ट्रैक्टर और कंबाइन हार्वेस्टर से करेगा।

› स्टेप 3: वह इस अनाज को अपने और अपने परिवार के लिए रखने के बजाय, मुख्य रूप से बाज़ार में बेचने के लिए उगाएगा, ताकि ज़्यादा लाभ कमा सके।

उत्तर – किसान की मुख्य फसल गेहूँ होगी और वह बड़े-बड़े मशीनों का उपयोग करके बड़े पैमाने पर खेती करेगा ताकि अनाज को बाज़ार में बेचकर लाभ कमा सके।

उदाहरण 12. एक किसान के खेत में मिश्रित कृषि के कौन-कौन से घटक शामिल होंगे?

› सबसे पहले, किसान फसलें उगाएगा। मान लो उसने अपने खेत में गेहूँ और मक्का बोया।

› दूसरा, वह पशुपालन करेगा। उसने कुछ गायें और भेड़ें पाल रखी हैं।

› तीसरा, वह अपनी फसलों से उपज प्राप्त करेगा और उसे बेचेगा।

› चौथा, वह अपने पशुओं से दूध, ऊन या मांस प्राप्त करेगा और उन्हें भी बेचेगा।

› पांचवां, वह पशुओं के लिए चारे की फसलें भी उगा सकता है, जिससे लागत कम होगी और मिट्टी की उर्वरता भी बनी रहेगी।

उत्तर – इस तरह, मिश्रित कृषि में फसलें (जैसे गेहूँ, मक्का) और पशु (जैसे गाय, भेड़) दोनों ही समान रूप से आय का स्रोत होते हैं।

उदाहरण 13. डेरी कृषि के लिए किन मुख्य बातों का ध्यान रखना ज़रूरी है?

› सबसे पहले, दुधारू पशुओं की अच्छी नस्लें चुनना।

› दूसरा, उनके रहने के लिए साफ और हवादार शेड बनाना।

› तीसरा, उनके लिए पौष्टिक आहार और पर्याप्त पानी का प्रबंध करना।

› चौथा, पशुओं के स्वास्थ्य की नियमित जांच और बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण।

› पांचवां, दूध निकालने और उसे ठंडा रखने के लिए आधुनिक मशीनों का प्रयोग।

› छठा, तैयार दूध और उत्पादों को जल्द से जल्द बाज़ार तक पहुंचाना।

उत्तर – डेरी कृषि के लिए पशुओं की अच्छी नस्ल, साफ-सुथरा वातावरण, पौष्टिक आहार, बेहतर स्वास्थ्य देखभाल, आधुनिक तकनीक और कुशल विपणन (marketing) का ध्यान रखना ज़रूरी है।

उदाहरण 14. यूरोप और अमेरिका में शीत ऋतु (सर्दियों) में फलों और सब्जियों की बढ़ती मांग को कौन सी कृषि प्रणाली पूरा करती है और क्यों?

› पहचानें कि प्रश्न किस विशिष्ट जलवायु और कृषि क्षेत्र के बारे में पूछ रहा है - यहाँ 'शीत ऋतु में फलों और सब्जियों की मांग' प्रमुख है।

› याद करें कि कौन सा कृषि क्षेत्र विशेष रूप से खट्टे फल, अंगूर, जैतून आदि उगाता है और जिनकी फसल का समय यूरोपीय सर्दियों के साथ मेल खाता है।

› यह भूमध्यसागरीय कृषि क्षेत्र है, जो दक्षिणी यूरोप, उत्तरी अफ्रीका, कैलिफोर्निया, चिली जैसे इलाकों में फैला है।

› निष्कर्ष निकालें कि भूमध्यसागरीय कृषि ही इस मांग को पूरा करती है क्योंकि इसकी जलवायु खट्टे फलों और अंगूर के लिए उपयुक्त है और यह तब फसल देती है जब अन्य ठंडे क्षेत्रों में उत्पादन संभव नहीं होता।

उत्तर – भूमध्यसागरीय कृषि यूरोप और अमेरिका में शीत ऋतु में फलों और सब्जियों की मांग को पूरा करती है। इस क्षेत्र की जलवायु खट्टे फल (नींबू, संतरा), अंगूर (शराब, किशमिश के लिए), जैतून और अंजीर जैसे फलों के उत्पादन के लिए आदर्श है। जब ठंडे देशों में फसलें नहीं उगतीं, तब भूमध्यसागरीय क्षेत्र की उपज वहाँ भेजी जाती है।

उदाहरण 15. नीदरलैंड किस प्रकार की कृषि में विशेषज्ञता रखता है और क्यों?

› पहचानो कि नीदरलैंड का जिक्र किस प्रकार की कृषि के संदर्भ में हुआ है।

› याद करो नीदरलैंड की विशेष फसल क्या है।

› बताओ कि यह विशेषता क्यों महत्वपूर्ण है और इसका व्यापार कैसे होता है।

उत्तर – नीदरलैंड 'उद्यान कृषि' में विशेषज्ञता रखता है, खासकर ट्यूलिप जैसे फूलों के उत्पादन में। यहाँ से ये फूल पूरे यूरोप के बड़े शहरों में निर्यात किए जाते हैं। इसकी वजह यह है कि नीदरलैंड में इस खेती के लिए आदर्श जलवायु, उन्नत तकनीक और अच्छी परिवहन व्यवस्था मौजूद है, जिससे वे फूलों की उच्च मांग को पूरा कर पाते हैं।

उदाहरण 16. डेनमार्क में किसान किस प्रकार की कृषि से सबसे ज़्यादा लाभ कमाते हैं? समझाइए यह कैसे काम करती है।

› पहला कदम: हमें समझना है कि डेनमार्क में कौन सी कृषि ज़्यादा सफल रही। हमने पढ़ा है कि वहाँ 'सहकारी कृषि' बहुत सफल है।

› दूसरा कदम: अब हम देखेंगे कि सहकारी कृषि होती क्या है। इसमें किसान अपनी मर्ज़ी से एक साथ आते हैं, लेकिन उनके खेत अपनी-अपनी जगह पर रहते हैं।

› तीसरा कदम: किसान मिलकर काम करते हैं ताकि उन्हें खेती में ज़्यादा फायदा हो। जैसे, वो सब मिलकर सस्ते में बीज, खाद, मशीनें खरीदते हैं।

› चौथा कदम: जब फसल तैयार हो जाती है, तो वो सब मिलकर उसे बेचते हैं, जिससे उन्हें फसल का अच्छा दाम मिल जाता है।

› पाँचवाँ कदम: इस तरह, अकेले किसान को जो चीजें महंगी पड़तीं या जो छोटे किसान खरीद नहीं पाते, वो सब मिलकर आसानी से कर लेते हैं और सबका फायदा होता है।

› छठा कदम: डेनमार्क में तो लगभग हर किसान इस सहकारी आंदोलन का हिस्सा है, जिससे कृषि बहुत उन्नत हो गई है।

उत्तर – डेनमार्क में 'सहकारी कृषि' सबसे सफल है। इसमें किसान स्वेच्छा से एक सहकारी संस्था बनाते हैं। वे अपने व्यक्तिगत खेतों को बरकरार रखते हुए, मिलकर कृषि संबंधी गतिविधियों जैसे बीजों की खरीद, उत्पादों की बिक्री और सस्ती दरों पर संसाधनों का उपयोग करते हैं, जिससे उन्हें अधिक लाभ मिलता है।

उदाहरण 17. मान लीजिए हमें एक पहाड़ी इलाके से कोयला निकालना है। खनन की लाभप्रदता को प्रभावित करने वाले किन्हीं दो भौतिक और दो आर्थिक कारकों की पहचान कीजिए।

› पहले हम भौतिक कारक देखेंगे। अगर कोयले का भंडार बड़ा है और अच्छी क्वालिटी का है, तो खनन ज़्यादा फायदेमंद होगा। अगर वह ज़मीन के बहुत ऊपर ही है, तो निकालना आसान होगा।

› अब आर्थिक कारक देखते हैं। अगर बाज़ार में कोयले की बहुत मांग है, तो हमें उसे बेचने में आसानी होगी। अगर हमारे पास अच्छी मशीनें और तकनीक है, तो हम कम खर्च में ज़्यादा कोयला निकाल पाएंगे।

उत्तर – भौतिक कारक: कोयले के भंडार का आकार और उसकी गुणवत्ता। आर्थिक कारक: कोयले की बाज़ार में मांग और उपलब्ध आधुनिक खनन तकनीक।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं में 'मानव भूगोल के मूल सिद्धांत' भाग से अक्सर पूछी जाती है, खासकर प्राथमिक क्रियाओं के उदाहरणों पर ध्यान दें।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा में प्राथमिक क्रियाओं के अंतर्गत मानव-पर्यावरण संबंधों पर आधारित दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के लिए महत्वपूर्ण है।

• यह टॉपिक बोर्ड परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे सीधे क्षेत्रों के नाम और व्यापारीकरण के उदाहरण पूछे जा सकते हैं। 'क्या आप जानते हैं' बॉक्स में दिए गए 'चिकल' और 'ज़ेपोटा वृक्ष' के बारे में भी प्रश्न आ सकता है।

• पशुचारण के 'विकास' और 'दोनों प्रकारों' (निर्वहन व व्यापारिक) पर सीधा प्रश्न आता है। इनके उदाहरणों के साथ अच्छी तरह समझ कर लिखना।

• बोर्ड परीक्षा में चलवासी पशुचारण के क्षेत्रों और ऋतुप्रवास पर अक्सर सीधे सवाल पूछे जाते हैं, तो इन बिंदुओं को ज़रूर याद रखना।

• यह प्रश्न अक्सर चलवासी पशुचारण से तुलना के रूप में आता है। दोनों के अंतर और विशेषताओं को बिंदुओं में याद रखना बहुत ज़रूरी है।

• यह टॉपिक बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है! इसके अलग-अलग नामों (जैसे झूमिंग, मिल्पा, लादांग) को याद रखना और इसकी समस्याओं पर ध्यान देना।

• यह टॉपिक बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। 'चावल प्रधान' और 'चावल रहित' गहन निर्वाह कृषि की विशेषताओं को अलग-अलग बिंदुओं में याद कर लेना और तुलनात्मक अंतर भी समझ लेना, यह आपको अच्छे अंक दिलाएगा।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर रोपण कृषि की विशेषताओं और उदाहरणों पर सीधे प्रश्न पूछे जाते हैं। अलग-अलग देशों में उगाई जाने वाली प्रमुख रोपण फसलों के नाम याद रखना।

• यह प्रश्न बोर्ड परीक्षा में अक्सर इसके क्षेत्रों और विशेषताओं के बारे में पूछा जाता है। मानचित्र पर इसके मुख्य क्षेत्रों को ज़रूर चिह्नित करके जाना।

• डेरी कृषि के लाभ और चुनौतियों पर बोर्ड परीक्षा में प्रश्न आ सकते हैं, खासकर इसके नगरीय केंद्रों के पास होने के कारणों पर ध्यान देना।

• यह टॉपिक बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है! भूमध्यसागरीय कृषि के क्षेत्रों और इसकी मुख्य विशेषताओं, खासकर खट्टे फल और अंगूर के महत्व को अच्छे से याद रखना। शीत ऋतु में फल-सब्जी की आपूर्ति वाला बिंदु ज़रूर लिखना।

• बोर्ड परीक्षा में खनन को प्रभावित करने वाले कारकों और दोनों विधियों के अंतर पर सीधे प्रश्न आते हैं, खासकर जोखिम भरे पहलू पर ध्यान देना।

एक नज़र में रिवीज़न

› आर्थिक क्रियाएं आय-जनक कार्य; प्राथमिक क्रियाएं सीधे प्रकृति-आधारित।

› सबसे प्राचीन आर्थिक क्रियाएँ: आखेट (शिकार) और भोजन संग्रह

› आखेट/भोजन संग्रह: उच्च/निम्न अक्षांश क्षेत्रों में; पत्तियां, छाल आदि का व्यापारीकरण.

› आखेट से निर्वाह मुश्किल होने पर पशुचारण शुरू; निर्वहन और व्यापारिक प्रकार।

› चलवासी पशुचारण: प्राचीन निर्वहन शैली, ऋतुप्रवास, पशुओं के साथ क्षेत्रों में घूमना।

› वाणिज्य पशुधन पालन: पूंजी प्रधान, वैज्ञानिक, स्थायी फार्म, लाभोन्मुखी व्यवसाय।

› आदिकालीन निर्वाह कृषि: कर्तन व दहन, स्थान परिवर्तन, उष्णकटिबंधीय, निर्वाह हेतु।

› गहन निर्वाह कृषि: घनी आबादी में, छोटे खेत, मानव श्रम, चावल प्रधान/चावल रहित.

› रोपण कृषि: बड़े पैमाने पर, एकल-फसली, पूंजी-प्रधान, यूरोपीय उपनिवेशों द्वारा।

› विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि: मध्य अक्षांश, बड़े खेत, मशीनें, गेहूँ, उच्च प्रति व्यक्ति उत्पादन।

› डेरी कृषि: दुधारू पशुओं का उन्नत पालन, पूंजी+श्रम गहन, शहरी बाज़ारों के पास।

› भूमध्यसागरीय कृषि: खट्टे फल, अंगूर; ठंडी ऋतु में फलों-सब्जियों की वैश्विक मांग पूरी करती है।

› खनन: खनिजों का निष्कर्षण; भौतिक-आर्थिक कारक; धरातलीय-भूमिगत विधियां।